



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

वर्ष-14 अंक-267

कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में

उरई (जालौन) बुधवार 09 सितम्बर 2026

youngbharatE-paper.com

सीएम योगी का आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बड़ा तोहफा, बढ़ा मानदेय, 5 लाख का हेल्थ कवर और स्मार्टफोन समेत 4 बड़े ऐलान

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज़)

पोषण माह की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को बड़ा तोहफा दिया। अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने नव-नियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने मानदेय बढ़ाने समेत कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए चार बड़े ऐलान किए हैं। इनमें मानदेय वृद्धि के साथ 5 लाख रुपये का हेल्थ कवर, साड़ियों की संख्या बढ़ाने और स्मार्टफोन की सुविधा देने की घोषणा शामिल है।

कार्यक्रम में सीएम योगी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके मानदेय में वृद्धि



की घोषणा की। सरकार का कहना है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं बच्चों, गर्भवती महिलाओं और माताओं तक पोषण एवं अन्य जरूरी सेवाएं पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और

सहायिकाओं के लिए सरकार ने 5 लाख रुपये के स्वास्थ्य कवर का भी ऐलान किया है। इससे उन्हें और उनके परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के समय आर्थिक सुरक्षा मिलने की उम्मीद है। सीएम योगी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं

कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। पोषण माह के मौके पर की गई इन घोषणाओं को जमीनी स्तर पर काम करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए सरकार की बड़ी पहल के तौर पर देखा जा रहा है।

की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए साड़ियों की संख्या बढ़ाने और स्मार्टफोन उपलब्ध कराने की घोषणा भी की। स्मार्टफोन की सुविधा से आंगनवाड़ी केंद्रों से जुड़े काम और सरकारी योजनाओं की डिजिटल मॉनिटरिंग में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के सम्मान, सुविधाओं और

बागेश्वर बाबा की मछली यूंही नहीं बनी बीजेपी के गले की हड्डी, तालाब से तश्तरी तक अरबों का बिजनेस

(यंग भारत न्यूज़)

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दुर्गा पूजा के दौरान बंगाल में मांस-मछली से दूर रहने की अपील की तो विवाद खड़ा हो गया. बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने भी साफ कर दिया कि बंगाल के लोग क्या खाएंगे, यह कोई बाहर से आकर तय नहीं कर सकता. दरअसल, बंगाल में मछली सिर्फ खाने की चीज नहीं, बल्कि 23.75 लाख टन सालाना उत्पादन, लाखों लोगों की रोजी और हजारों करोड़ रुपये के एक्सपोर्ट से जुड़ा बड़ा कारोबार है. बंगाल में मछली का मामला सिर्फ स्वाद या खानपान की पसंद तक सीमित नहीं है. यहां तालाब में मछली पालने वाले किसान से लेकर मंडी के कारोबारी, ट्रांसपोर्टर, कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग यूनिट और एक्सपोर्टर तक एक बड़ी वैल्यू चेन इससे जुड़ी है. यही वजह है कि धीरेंद्र शास्त्री के बयान ने धार्मिक बहस के साथ बंगाल की संस्कृति और अर्थव्यवस्था को भी चर्चा में ला दिया.

पश्चिम बंगाल देश के सबसे बड़े मछली उत्पादक राज्यों में शामिल हैं.



स्टडी में पूर्व मेदिनीपुर और उत्तर 24 परगना के मछली कारोबार को लेकर उत्पादन और मार्केटिंग लागत करीब 109.6 रुपये प्रति किलो आंकी गई थी. इसमें औसत नेट प्रॉफिट करीब 50.2 रुपये प्रति किलो और बीसी रेशियो 1.46 रहा. इसी स्टडी में पोस्ट हार्वेस्ट लॉस करीब 9.8% बताया गया. मछली कारोबार का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट एंगल झोंगा है. पश्चिम बंगाल के समुद्री और खारे पानी वाले उत्पादों में झोंगा की बड़ी हिस्सेदारी है. राज्य के बजट दस्तावेजों के मुताबिक बंगाल से होने वाले फिश एक्सपोर्ट में 70% से ज्यादा हिस्सेदारी ब्रैकिश वाटर प्रजातियों की है. 2024-25 में पश्चिम बंगाल से 1,14,768.79 टन समुद्री उत्पादों का एक्सपोर्ट हुआ, जिसकी कीमत करीब 4,333.06 करोड़ रुपये रही. इससे पहले 2023-24 में एक्सपोर्ट मात्रा करीब 1,32,331 टन थी और वैल्यू करीब 4,148 करोड़ रुपये थी. यानी मात्रा घटने के बावजूद एक्सपोर्ट की वैल्यू बढ़ी. झोंगा उत्पादन में तैयार माल का बड़ा हिस्सा एक्सपोर्ट होता है.

जिले में नज़ूल लैंड को हड़पने की योजना के साथ सत्ताधारी, अधिकारी और भूमि हड़पु मिलकर चला रहे हैं गुप्त अभियान

महीनों पूर्व जालौन नगर के बाजार में 10 हजार वर्गफुट का विशाल बेसमेन्ट खोद डाला है भूमि हड़पुओं ने

➤➤ प्रशासन नज़ूल के सदिग्ध दिख रहे दोनो मामलों में कोई बात 'लीक' करने को तैयार नहीं हैं मगर चर्चाएँ सरगम हैं कि नज़ूल की दोनो कीमती जमीनों को हड़पने के लिए सत्ता दल के कुछ नियत खोर नेता, भूमि हड़पु और प्रशासनिक अधिकारी पका रहव हैं गुपचुप अपनी खिचड़ी

➤➤ ताजा मामला उरई मुख्यालय के प्राचीन बी सी एच मिशन स्कूल के सिविल लाइन्स स्थित भारी भरकम और बेश कीमती भूमि का है

➤➤ 450 करोड़ की जमीन पर चला प्रशासन का बुलडोजर, बीसीएच मिशन की 7.26 एकड़ भूमि सरकारी कब्जे में

➤➤ 1914 में 99 साल की लीज पर दी गई थी जमीन, 2014 में अवधि समाप्त होने के बाद नहीं हुआ नवीनीकरण, तब से प्रशासन के पास लटकता रहा मामला

➤➤ जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पालिका ने लगाया अपना बोर्ड, पुलिस बल की मौजूदगी में खाली कराया गया परिसर

➤➤ बेशकीमती भूमि पर फिर कब्जे या छोटे-छोटे टुकड़ों में आवंटन की आशंका, प्रशासन की निगरानी पर उठे सवाल

➤➤ जालौन के बी मार्केट की कथित करोड़ों की जमीन का मामला पहले से ही है सदिग्ध, कार्रवाई को लेकर समाज की निगाहें प्रशासन की नीयत और पुरुषार्थ पर

पटें इनसाइड स्टोरी

तालाब खुदा नहीं और मगर कूद पड़े



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज़)

उरई। जिला परिषद के पास स्थित बीसीएच मिशन (बेथनी क्रिश्चियन होम्स मिशन) की बेशकीमती जमीन को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद के बीच जिला प्रशासन और नगर पालिका परिषद उरई ने बड़ी कार्रवाई की है। ग्राम लहरिया में स्थित करीब 7.26 एकड़ भूमि को प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिया है। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भारी पुलिस बल मौजूद रहा। परिसर को खाली कराने के लिए बुलडोजर की मदद ली गई और बाद में नगर पालिका परिषद की ओर से भूमि पर स्वामित्व संबंधी बोर्ड लगाया गया। परिसर में साफ-सफाई का काम भी कराया गया।

स्थानीय स्तर पर इस जमीन की कीमत करीब 450 से 500 करोड़ रुपये के बीच बताई जा रही है। हालांकि वास्तविक बाजार मूल्य का निर्धारण संबंधित राजस्व अभिलेखों और सक्षम विभाग की प्रक्रिया के आधार पर ही किया जा सकता है।

99 साल की लीज पर दी गई थी

जमीन बताया जा रहा है कि उक्त भूमि वर्ष 1914 में 99 साल की लीज पर दी गई थी। लीज की अवधि वर्ष 2014 में पूरी हो गई। आरोप है कि इसके बाद भूमि का विधिवत नवीनीकरण नहीं कराया गया, इसके बावजूद परिसर का उपयोग जारी रहा। जमीन के संबंध में पुराने दस्तावेजों, कागजात और ट्रस्ट के गठन को लेकर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं। आरोप लगाने वाले लोगों का कहना है कि सरकारी नज़ूल भूमि पर अधिकार कायम करने के लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज और कूटरचित अभिलेखों का सहारा लिया गया। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि सक्षम जांच एजेंसी अथवा न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही मानी जा सकती है।

प्रशासन के कब्जे में आया पूरा परिसर

जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पालिका परिषद उरई के अधिशासी अधिकारी रामअचल कुरील के नेतृत्व में प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई की गई। परिसर को खाली कराने के बाद नगर पालिका परिषद की ओर से बोर्ड लगाया गया और जमीन को अपने नियंत्रण में लिया गया। इसके बाद परिसर के अंदर साफ-सफाई भी शुरू कराई गई। कार्रवाई के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी और बेशकीमती भूमि का प्रशासन भविष्य में किस जनहितकारी कार्य के लिए उपयोग करेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जमीन वास्तव में सरकारी अथवा नगर पालिका के स्वामित्व में है तो इसे किसी निजी व्यक्ति, संस्था या प्रभावशाली समूह के कब्जे में दोबारा जाने से रोकने के लिए स्थायी



सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है।

कार्रवाई के बाद फिर कब्जे की कोशिश की चर्चा

प्रशासन की कार्रवाई के बाद अब इस बात को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं कि कहीं जमीन को अलग-अलग हिस्सों में बांटकर किसी दूसरे तरीके से हासिल करने का प्रयास तो नहीं होगा। स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से अधिकारियों से संपर्क कर जमीन के छोटे-छोटे हिस्सों के आवंटन की कोशिश किए जाने की बातें सामने आ रही हैं। इन चर्चाओं ने जिला प्रशासन के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि किसी व्यक्ति या समूह द्वारा ऐसी कोशिश किए जाने की आधिकारिक पुष्टि फिलहाल सामने नहीं आई है। लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन ने करोड़ों रुपये की जमीन को कब्जे से मुक्त कराया है तो अब उसके अभिलेखों को सुरक्षित करने के साथ ही जमीन की पैमाइश, सीमांकन और चारों ओर सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित की

जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई नया विवाद खड़ा न हो।

जालौन की जमीन पर भी कार्रवाई की मांग

बीसीएच मिशन की जमीन पर हुई कार्रवाई के साथ ही जालौन नगर पालिका क्षेत्र में स्थित कथित विवादित जमीनों का मामला भी एक बार फिर चर्चा में आ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका क्षेत्र में कई स्थानों पर सरकारी अथवा नगर पालिका स्वामित्व की जमीनों पर कब्जे और आवंटन को लेकर सवाल उठते रहे हैं। इसी क्रम में बी मार्केट क्षेत्र की एक बेशकीमती जमीन का मामला भी पिछले दिनों चर्चा में रहा। स्थानीय लोगों के बीच इसकी कीमत 250 करोड़ रुपये से अधिक होने की बातें कही जा रही हैं। हालांकि इस कीमत और जमीन के स्वामित्व संबंधी दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। लोगों का सवाल है कि यदि जालौन नगर पालिका की किसी जमीन पर कब्जे अथवा स्वामित्व को लेकर शिकायतें हैं तो प्रशासन द्वारा राजस्व अभिलेखों की जांच कराकर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की जा रही है। लोगों ने मांग की है कि बीसीएच मिशन की तर्ज पर अन्य विवादित सरकारी जमीनों की भी जांच कराई जाए।

राजनीतिक दबाव की चर्चाओं के बीच प्रशासन की परीक्षा

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कुछ प्रभावशाली और राजनीतिक लोगों द्वारा कथित रूप से जमीनों के मामलों में हस्तक्षेप करने का प्रयास किया जा सकता है। हालांकि राजनीतिक दबाव संबंधी इन

चर्चाओं की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में अब प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सरकारी जमीनों से जुड़े मामलों में बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में सरकारी जमीनों को अवैध कब्जों से मुक्त कराने और भू-माफिया के खिलाफ कार्रवाई पर जोर दिया जाता रहा है। ऐसे में स्थानीय लोगों की निगाह इस बात पर है कि उरई के बाद जालौन नगर पालिका क्षेत्र की कथित विवादित जमीनों पर भी प्रशासन कोई ठोस कदम उठाता है या नहीं।

अब जमीन के भविष्य पर टिकी निगाहें

बीसीएच मिशन की 7.26 एकड़ भूमि प्रशासन के कब्जे में आने के बाद अब इसका भविष्य सबसे महत्वपूर्ण सवाल बन गया है। करोड़ों रुपये की इस भूमि को यदि पारदर्शी तरीके से जनहित में इस्तेमाल किया जाता है तो इससे क्षेत्र को बड़ा लाभ मिल सकता है। साथ ही प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जिस भूमि को कार्रवाई करके सरकारी कब्जे में लिया गया है, वह भविष्य में किसी प्रभावशाली व्यक्ति, संस्था या समूह के हाथों दोबारा न पहुंच सके। उधर जालौन के बी मार्केट समेत अन्य कथित विवादित नगर पालिका भूमि के मामलों को लेकर भी लोग प्रशासन की अगली कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन केवल एक जमीन तक कार्रवाई सीमित रखता है या सरकारी भूमि से जुड़े अन्य मामलों की भी अभिलेखीय जांच, पैमाइश और निष्पक्ष कार्रवाई शुरू करता है।

त्योहारी सीजन में गोल्ड खरीदने से पहले चेक करें ये 7 चीजें, वरना सस्ते के चक्कर में लग जाएगा बड़ा चूना!

(यंग भारत न्यूज)

नई दिल्ली: सोने की कीमतों में इन दिनों लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। कभी गोल्ड के दाम तेजी से चढ़ते हैं तो कभी धड़ल्ले से नीचे आ जाते हैं। ऐसे में कई ससाह से सोने के दाम तेजी से नीचे आते दिख रहे हैं। जिसके बाद सर्राफा बाजार में खरीदारी की होड़ मच गई है। लोग यह सोचकर धड़ाधड़ सोना खरीद रहे हैं कि अभी सस्ता मिल रहा है, तो यह खरीदारी का बेहतरीन मौका है।

लेकिन जरा ठहरिए! जल्दबाजी में लिया गया आपका फैसला फायदे की जगह आपका बड़ा नुकसान भी करा सकता है। खासकर तब जब उतार-चढ़ाव की मुख्य वजह वेस्ट एशिया और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता जैसे अंतरराष्ट्रीय हालात हों। ऐसे में समझदारी से निवेश और खरीदारी करना बेहद जरूरी है। अगर आप भी त्योहार के समय पर सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो आपके लिए ये 7 बातें जानना बेहद जरूरी है। सोना खरीदने समय बीआईएस होलमार्के (बीआईएस) देखना सबसे ज्यादा जरूरी है। केवल ज्वेलर की मीठी बातों पर



भरोसा न करें। असली सोना की पहचान यह है कि ज्वेलरी पर बीआईएस का दृशहृश और 6 अंकों का एसयूडी नंबर जरूर होना चाहिए। सोने की शुद्धता कैरेट में मापी जाती है और इसका सीधा असर उसकी कीमत पर होता है। हमेशा ज्वेलरी पर लिखे नंबरों पर जरूर ध्यान दें:

आगर 24 कैरेट सोना है तो उस पर 999

लिखा होता है।

आगर 22 कैरेट सोना है तो उस पर 916

लिखा होता है।

आगर 18 कैरेट सोना है तो उस पर 750

लिखा होता है।

याद रखें ज्यदा कैरेट होगा सोना उतना ही ज्यादा शुद्ध होगा।

3. खुद करें असली-नकली की पहचान आज के डिजिटल युग में आपको ज्वेलर पर आंख मूंदकर

भरोसा करने की जरूरत नहीं है। आप अपने स्मार्टफोन से ही सोने की असली-नकली पहचान कर सकते हैं। इसके लिए बीआईएस केर एप का इस्तेमाल करें और उसमें ज्वेलरी का एसयूडी नंबर डालकर उसकी शुद्धता और पूरी जानकारी चेक कर लें। सोना खरीदते समय ज्वेलर से पक्का बिल लेना कभी न भूलें। ध्यान दें कि आपके बिल में सोने का वजन, कैरेट, एसयूडी नंबर और मैकिंग चार्ज अलग-अलग स्पष्ट रूप से लिखे हों। आपको यह भी पता होना चाहिए कि सोने पर 3%

जीएसटी और मैकिंग चार्ज पर 5% जीएसटी लगता है। क्या आपको खरीदे गए सोने की शुद्धता पर जरा भी शक है? तो घबराएं नहीं, आप किसी भी बीआईएस मान्यता प्राप्त लैब में जाकर मात्र 200 रुपये देकर अपने सोने की टेस्टिंग करवा सकते हैं। नियमों के अनुसार, अगर आपका सोना कम शुद्ध निकलता है तो ज्वेलर को आपको मुआवजा देना पड़ता है। अगर आप सिर्फ निवेश के नजरिए से सोना खरीद रहे हैं और आपको इसे पहनने का कोई शौक नहीं है, तो फिजिकल गोल्ड के बजाय तथ्यदस्त्र श्रृंखला में निवेश करना ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है। इसमें न तो चोरी का डर रहता है और न ही शुद्धता को लेकर कोई झंझट।

ग्राहकों की भीड़ देखकर कई दुकानदार 'मैकिंग चार्ज में भारी छूट' का लालच देते हैं। लेकिन असल में वे सोने की कीमत बढ़ाकर अपना मुनाफा निकाल लेते हैं और ग्राहक का नुकसान हो जाता है। इस लालच में न फँसें। खरीदारी से पहले उस दिन का मार्केट रेट जरूर चेक करें।



विराजमान होते बप्पा: गणेश चतुर्थी पर श्रद्धालु भगवान गणेश की प्रतिमा को अपने घर लाकर स्थापित करते हैं. इसके बाद अपनी परंपरा और मान्यता के अनुसार कोई 3 दिन, कोई 5 दिन, कोई 7, तो कोई 11 दिन तक गणपति बप्पा को घर में विराजमान रखते हैं. इस दौरान गणेश का घर में स्वागत करने का सबसे अच्छा समय 14 सितंबर को सुबह 7:06 बजे शुरू होगा और समापन 15 सितंबर को सुबह 7 बजकर 44 मिनट पर होगा. गणेश चतुर्थी 2026 तारीख और समय: द्रिक पंचांग के अनुसार, भगवान गणेश का घर में स्वागत करने का सबसे अच्छा समय 14 सितंबर को सुबह 7:06 बजे शुरू होगा और समापन 15 सितंबर को सुबह 7 बजकर 44 मिनट पर होगा. गणेश चतुर्थी 2026 तारीख और समय: द्रिक पंचांग के अनुसार, भगवान गणेश का घर में स्वागत करने का सबसे अच्छा समय 14 सितंबर को सुबह 7:06 बजे शुरू होगा और समापन 15 सितंबर को सुबह 7 बजकर 44 मिनट पर होगा.

गणपति बप्पा को लेकर काफी उत्साह दिखाई दे रहा है. लोग बड़ी संख्या में दुकान पर पहुंचकर अपनी पसंद के अनुसार प्रतिमाएं खरीद रहे हैं. उन्होंने बताया कि श्रद्धालु मिट्टी से बनीं गणेश प्रतिमाओं को अधिक पसंद कर रहे हैं. विजय के मुताबिक पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है. यही वजह है कि प्लास्टर ऑफ पेरिस की अपेक्षा मिट्टी से बनी प्रतिमाओं की मांग अधिक देखने को मिल रही है. लोग ऐसी मूर्तियां खरीदना पसंद कर रहे हैं, जिनका विसर्जन पर्यावरण के लिहाज से बेहतर हो.

नाले में उतराता मिला मजदूर का शव मची सनसनी,सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार शाम नाले में अज्ञात शव तैरता मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की जानकारी जैसे ही आसपास के लोगों और राहगीरों को हुई, मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। राहगीरों ने तत्काल घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी।मामला कोंच ब्लॉक के पास सीकरी पुल का बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेंद्र प्रताप सिंह, मंडी चौकी के प्रभारी एवं पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आसपास मौजूद लोगों से जानकारी जुटाई। इसके बाद पुलिस ने कड़ी मशकत कर शव को नाले से बाहर निकलवाया।



भरण-पोषण करता था। शव मिलने की खबर गांव और आसपास के क्षेत्र में पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। शव नाले में कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर

पुलिस जांच में जुटी है। पुलिस द्वारा मामले की जांच के साथ ही घटना के संबंध में आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।वही प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

गाजेबाजे के साथ विजय श्रीहनुमान मंदिर धनुताल से रामभवन पहुंची हनुमान पताका 174 वी रामलीला का हुआ विधिवत शुभारंभ

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर की विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक रामलीला के 174 वें महोत्सव को सकशल संपन्न कराने के लिए मंगलवार को धनुताल स्थित लंका विजय हनुमान मंदिर से पताका लाकर रामलीला भवन पर स्थापित की गई। रामलीला के अनुष्ठानों की यह पहली कड़ी है जिसमें रामलीला का संपूर्ण कार्यक्रम सानंद संपन्न कराने के लिए हनुमान जी महाराज को विधिवत आमंत्रण दिया गया है। इसी के साथ औपचारिक रूप से रामलीला के काम-धाम शुरू हो गए हैं। रामलीला के विभिन्न आयामों से जुड़े करीब सैंकड़ों भग लोग रामलीला भवन से गाजे बाजे के साथ धनुताल स्थित लंका विजय हनुमान मंदिर पहुंचे। वहां विधि-विधान से हनुमान जी का पूजन-अर्चन कर हनुमान पताका लाकर रामलीला भवन पर स्थापित की गई। गल्ला व्यापारियों की शताब्दी भर पुरानी धार्मिक संस्था धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित कोंच की विश्व विख्यात रामलीला के 174 वें महोत्सव को लेकर विभिन्न अनुष्ठान जारी हैं। इसी क्रम में मंगलवार को हनुमान पताका स्थापना का कार्य विधि विधान से संपन्न हुआ। शाम लगभग चार बजे रामलीला के कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों के साथ रामलीला भवन से पुरानी पसरट, वर्तन बाजार, चंदकुआं, नकटी माता मंदिर होकर धनु तालाब स्थित लंका विजय हनुमान मंदिर पहुंचे जहां रामलीला के सेवायत राघवेंद्र तिवारी ने हनुमान जी महाराज को चोला चढ़ाकर आरती उतारकर उनकी पूजा अर्चना की।इपस्थित लोगों ने समवेत स्वर में हनुमान चालीसा एवं हनुमान स्तुति का पाठ किया। तत्पश्चात पताका का पूजन कर गाजे बाजे के साथ लाकर रामलीला भवन पर उसे स्थापित कर दिया गया। इस दौरान धर्मादा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय गुप्ता भोले, मंत्री विनोद दुवे लौना, कोषाध्यक्ष मुकेश सोनी, संतोष तिवारी, रामलीला समिति के अध्यक्ष राजीव पटेल, मंत्री शैलेष सोनी, पीडी रिछारिया, संजय सोनी, गोविंद शरण मिश्रा, जय मुखिया, रामबाबू राठी, लालजी कुशवाहा, अरविंद मिश्रा, राजकुमार निरंजन छुन्ना, राहुल तिवारी, सतीश राठौर, अमित नगाइच, अतुल चतुर्वेदी, नमन चतुर्वेदी, अभिषेक रिछारिया पुनी, राहुल बाबू, पवन अग्रवाल, साकेत पटेरिया, प्रधव मिश्रा, आशीष कुशवाहा, अंशुल मिश्रा, दिनेश खिल्ली वाले, शुभम तिवारी, सुशील पटेल, संजय सिंघल, दिलीप अग्रवाल, वंशीधर राठौर, सुमित तिवारी, लकी दुवे, अन्जु अग्रवाल, विजल अग्रवाल, मुरारी तिवारी, अरविंद अग्रवाल, मुकेश विदुआ, रघुवीर कुशवाहा, आलोक कपूर, मनीष मिश्रा, अरविंद मिश्रा,केशव बबले, धीरज सोनी, आलोक कपूर आदि राम भक्त मौजूद रहे।



पत्नी के प्राइवेट वीडियो पोर्न साइट पर डालने का आरोप, 4 साल की बेटी के सामने आपत्तिजनक हरकत का भी केस; केरल में पति गिरफ्तार,

(यंग भारत न्यूज)

केरल के कोट्टायम से पति-पत्नी के रिश्ते को शर्मसार करने वाला गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने 31 वर्षीय एक व्यक्ति को उसकी पत्नी के निजी वीडियो कथित तौर पर पोर्नोग्राफिक वेबसाइट पर अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मामले में नाबालिग बच्ची को मौजूदगी से जुड़े गंभीर आरोप सामने आने के बाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत अलग मामला भी दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पिछले कुछ वर्षों से अपनी पत्नी और बेटी के साथ ब्रिटेन में रह रहा था। महिला को शिकायत के बाद मामले की जांच शुरू हुई और आरोपी को हिरासत में लिया गया। मामला तब सामने आया जब महिला के दोस्तों ने उसे बताया कि ब्रिटेन में रहने के दौरान उसके निजी वीडियो कथित तौर पर इंटरनेट पर शेयर किए गए थे। महिला ने इसके बाद अपने पति के मोबाइल फोन की जांच की। पुलिस को दिए बयान के मुताबिक, फोन में उसे कुछ ऐसे वीडियो मिले जिनको लेकर उसने पति से सवाल किया। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति ने उसकी जानकारी और सहमति के बिना निजी वीडियो रिकॉर्ड किए और उन्हें ऑनलाइन साझा किया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि पति ने उनकी चार वर्षीय बेटी को मौजूदगी में पत्नी के साथ आपत्तिजनक व्यवहार किया और उसका वीडियो रिकॉर्ड किया। पुलिस ने वीडियो और शिकायत से जुड़े तथ्यों की जांच के बाद नाबालिग से संबंधित आरोपों में पॉक्सो एक्ट के तहत अलग केस दर्ज किया। रिपोर्ट के मुताबिक, बाद में परिवार ब्रिटेन से वापस केरल लौट आया। यहां आरोपी को कथित तौर पर कार्डसलिंग भी कराई गई। पुलिस का कहना है कि कार्डसलिंग के बाद भी आरोपी ने कथित तौर पर आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड करने की कोशिश जारी रखी। जब पत्नी ने इसका विरोध किया तो उसके साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप है। महिला को चोट लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद पुलिस ने उसका बयान दर्ज कर केस की जांच आगे बढ़ाई। महिला को शिकायत और उपलब्ध डिजिटल सामग्री की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। बताया गया कि मामला दर्ज होने के बाद आरोपी कुछ समय के लिए छिप गया था। पुलिस ने तलाश के बाद उसे पकड़ लिया और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। शिकायतकर्ता की ओर से पेश वकील प्रशांत वी. कुरूप ने आरोप लगाया कि आरोपी अपनी पत्नी पर में शामिल होने का दबाव भी बनाता था। वकील के मुताबिक, महिला ने कथित तौर पर इसके लिए कभी सहमति नहीं दी। उन्होंने यह भी दावा किया कि कार्डसलिंग के बावजूद आरोपी का व्यवहार नहीं बदला। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है और मामले में पुलिस की जांच जारी है। इस पूरे मामले में मोबाइल फोन और कथित ऑनलाइन वीडियो अहम सबूत माने जा रहे हैं। पुलिस डिजिटल सामग्री की जांच के साथ यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वीडियो कहाँ रिकॉर्ड किए गए, उन्हें किस प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं। नाबालिग से जुड़े आरोपों के कारण जांच और कानूनी प्रक्रिया बेहद गंभीर तरीके से आगे बढ़ाई जा रही है। नोट: खबर में बताए गए आरोप पुलिस शिकायत, जांच और वकील की ओर से सामने रखी गई जानकारी पर आधारित हैं। आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। नाबालिग की पहचान से जुड़ी कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की जानी चाहिए।



यूपी के चुनावी मुकाबले में ‘खेल’ पर भी खेलेगी सपा, प्लेयर्स के लिए अलग घोषणा पत्र की तैयारी

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के लिए शिक्षा, रोजगार, भर्तियों में गड़बड़ी जैसे मुद्दों के सहारे युवाओं में पैठ बढ़ाने में जुटी समाजवादी पार्टी खेल पर भी राजनीतिक दांव ‘खेलने’ जा रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव नई खेल नीति और विशेष कोष बनाने की घोषणा पहले ही कर चुके हैं। अब अलग से घोषणापत्र की तैयारी हो रही है। इसके लिए कुछ खिलाड़ियों को समस्याओं और मुद्दों की पहचान का जिम्मा दिया गया है। जिलों में खिलाड़ियों से संवाद कर अलग-अलग खेलों की जरूरत, प्रशिक्षण की सुविधा, मैदान, उपकरण, कोच,

छात्रावास और प्रतियोगिताओं से जुड़े मुद्दों की जानकारी जुटाई जा रही है। प्रदेश सरकार के खेल के क्षेत्र में सुधार के दावों को भी परखा जा रहा है। सपा की कोशिश, खेल को युवा नीति के एक हिस्से के बजाय स्वतंत्र चुनावी एजेंडे के रूप में पेश करने की है। यह केवल खिलाड़ियों की संख्या का गणित नहीं, बल्कि उस बड़े युवा वर्ग तक पहुंच बनाने की रणनीति है, जो रोजगार के साथ अपनी प्रतिभा और पहचान के लिए भी अवसर चाहता है। हाल ही में सपा प्रमुख ने पीडीए का नया अर्थ ‘प्ले, डवलप, अचीव’ बताया था। वह लगातार खेल सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठा रहे हैं और विभिन्न

प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों से मुलाकात कर रहे हैं।सूत्रों के अनुसार घोषणापत्र में प्रतिभाओं की पहचान, बेहतर प्रशिक्षण, खेल उपकरण, मैदानों की उपलब्धता, प्रशिक्षकों की नियुक्ति, प्रतियोगिताओं में भागीदारी का खर्च और खिलाड़ियों के रोजगार जैसे मुद्दों को शामिल किए जाएंगे। यह रणनीति अहम इसलिए है, क्योंकि हर खेल में अलग-अलग सामाजिक वर्ग के युवा हैं। ऐसे में खेल के बहाने सपा के लिए पीडीए को गैर जातीय युवा मुद्दे से जोड़ने का रास्ता खुलता है। हालांकि सपा के सामने यह मैदान खाली नहीं है। प्रदेश की भाजपा सरकार ने वर्ष



2023 में खेल नीति लागू की, जिसमें खिलाड़ियों के लिए खेल विकास कोष, उत्कृष्टता केंद्र और उच्च प्रदर्शन केंद्रों की व्यवस्था की गई है। सरकार ग्राम पंचायतों से जिलों तक खेल मैदान, मिनी स्टेडियम और स्टेडियम विकसित करने का दावा कर रही है। स्पोर्ट्स कालेज और सेंटर आफ एक्सीलेंस विकसित करने की भी योजना है। खिलाड़ियों को सीधे सरकारी नौकरी से भी जोड़ा जा रहा है। इसकी काट के लिए ही सपा,

खिलाड़ियों से यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि घोषणा का लाभ मैदान तक कितना पहुंचा। जिससे चुनाव में नीति बनाम क्रियान्वयन का सवाल खड़ा किया जा सके। हालांकि खेल ऐसा मुद्दा है, जिसका चुनावी असर तभी बनेगा जब उसे रोजगार, शिक्षा और स्थानीय विकास से जोड़ा जाए। केवल घोषणाओं से युवाओं को आकर्षित करना आसान नहीं। उन्हें यह भरोसा चाहिए कि मैदान बनेगा, कोच आएगा, प्रतिभा की पहचान होगी और खेल छोड़ने के बाद भी भविष्य सुरक्षित रहेगा। जो भी राजनीतिक दल यह विश्वास जीत पाएगा, वही इस चुनावी ‘खेल’ में आगे निकलेगा।

दिल्ली में महिला पत्रकारों के साथ हुए उत्पीड़न के मामले में उरई कलेक्ट्रेट में डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब का जोरदार प्रदर्शन

- जनपद के सेकड़ो प्रमुख पत्रकारों ने घटना पर किया आक्रोश व्यक्त
- कार्यक्रम का नेतृत्व डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के संघर्ष शील अध्यक्ष मनोज राजा ने किया
- पत्रकार सुरक्षा आयोग के गठन की उठाई मांग, दोषी पुलिसकर्मियों पर कठोर कार्रवाई की मांग
- राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। पत्रकारों के उत्पीड़न एवं उनके साथ होने वाली अभद्रता के विरोध में मंगलवार को डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के पदाधिकारियों एवं पत्रकारों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को



संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इस दौरान पत्रकारों ने पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने तथा पत्रकारों के साथ होने वाली घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई। डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज राजा के नेतृत्व में पत्रकारों ने जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में नई दिल्ली में 4 पीएम न्यूज नेटवर्क की महिला पत्रकारों सुश्री शाहीन खान एवं सुश्री नफीसा खान के साथ पुलिस द्वारा कथित रूप से की गई मारपीट एवं अभद्रता की घटना पर कड़ा आक्रोश जताया। पत्रकारों ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और वे समाज की समस्याओं तथा आम जनता की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। ऐसे में पत्रकारों के साथ किसी भी प्रकार

का दुर्व्यवहार या उत्पीड़न लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि नई दिल्ली में महिला पत्रकारों के साथ हुई घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। पत्रकारों ने कहा कि पत्रकारों के साथ होने वाली ऐसी घटनाओं से पत्रकारों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है और स्वतंत्र एवं निर्भीक पत्रकारिता प्रभावित होती है। डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब ने केंद्र सरकार से प्रमुख रूप से अलीम सिद्दीकी, अजय श्रीवास्तव, आबिद नकबी, आशीष शिवहरे,विकी प्रजापति, रविंद्र दोहरे, दीपू त्रिपाठी, विनय गुप्ता, भरत शुक्ला, समाचार संकलन के दौरान पत्रकारों को सोनी सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

करना पड़ता है। कई बार पत्रकारों के साथ दबाव, धमकी, अभद्रता और उत्पीड़न की घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन उनकी शिकायतों के त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के लिए प्रभावी व्यवस्था का अभाव दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि पत्रकार सुरक्षा आयोग के गठन से पत्रकारों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई के साथ-साथ उनके अधिकारों एवं सुरक्षा को लेकर एक मजबूत संस्थागत व्यवस्था तैयार हो सकेगी। साथ ही पत्रकारों ने मांग की कि पत्रकारों के साथ किसी भी घटना में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में पत्रकारों ने एकजुट होकर पत्रकार हितों की रक्षा के लिए आवाज बुलंद की।

पत्रकारों ने कहा कि वे निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता के लिए प्रतिबद्ध हैं और पत्रकारों के सम्मान तथा सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से अलीम सिद्दीकी, अजय श्रीवास्तव, आबिद नकबी, आशीष शिवहरे,विकी प्रजापति, रविंद्र दोहरे, दीपू त्रिपाठी, विनय गुप्ता, भरत शुक्ला, महावीर, राजू सैनी, मुनेश दोहरे, रोहित सोनी सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल

- मधुवन विला में 9 सितंबर होगा पीडीए का विशाल सम्मेलन, विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों पर होगा मंथन
- कार्यकर्ताओं को दिया जाएगा जीत का मंत्र, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर रहेगा जोर



(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। समाजवादी पार्टी की ओर से आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर संगठनात्मक तैयारियों को धार देने की कवायद तेज कर दी गई है। इसी क्रम में मधुवन विला में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन 9 सितंबर किया जाएगा। सम्मेलन को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करेंगे। सम्मेलन में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के शामिल होने की संभावना है। सम्मेलन को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसमें पार्टी की चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा किए जाने के साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की नीतियों से जोड़ने तथा कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर मंथन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल कार्यकर्ताओं को चुनाव में पूरी ताकत के साथ जुटने और संगठन की मजबूती के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। पीडीए सम्मेलन के माध्यम से

समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग, दलित एवं अल्पसंख्यक समाज के बीच अपनी पहुंच और संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने का संदेश भी देगी। सम्मेलन में सामाजिक भागीदारी, संगठन विस्तार और आगामी चुनाव में पार्टी की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया जाएगा। साथ ही क्षेत्रवार राजनीतिक परिस्थितियों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। पार्टी पदाधिकारियों द्वारा सम्मेलन को सफल बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में पहुंचने की अपील की जा रही है। सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों का रोडमैप बताते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने का मंत्र देंगे। पार्टी नेताओं का कहना है कि चुनाव में अभी समय जरूर है, लेकिन मजबूत संगठन और जमीनी तैयारी के लिए कार्यकर्ताओं को अभी से सक्रिय होना होगा। सम्मेलन के जरिए कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने के साथ ही उन्हें जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों और मुद्दों को मजबूती से उठाने का आह्वान किया जाएगा। माना जा रहा है कि सम्मेलन के बाद जिले में समाजवादी पार्टी की चुनावी गतिविधियों में और तेजी आएगी।

अवैध हथियार से फायरिंग, गोली लगने से युवक गंभीर घायल पुलिस कर रही है पूरी घटना की जांच

(यंग भारत न्यूज)



उरई (जालौन)। कोतवाली क्षेत्र की मंडी चौकी अंतर्गत लल्ला धाम के पास दबंगों द्वारा कथित तौर पर अवैध हथियार से फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। फायरिंग के दौरान गोली लगने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बताया गया कि घायल युवक को एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घायल युवक ने आरोप लगाया कि एक दर्जन से अधिक लोगों ने मिलकर उस पर हमला किया और इसी दौरान अवैध हथियार से फायरिंग की गई, जिसमें गोली लगने से वह घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस द्वारा घटना से जुड़े लोगों और कथित हमलावरों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। फायरिंग किस कारण से हुई और घटना में कौन-कौन लोग शामिल थे, इसका पता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मामला उरई कोतवाली क्षेत्र की मंडी चौकी का है।

अधिकारियों ने खुद आगे बढ़कर बढ़ाया रेडक्रॉस का कारवां, तीन दर्जन से अधिक ने ली सदस्यता डीएम राजेश कुमार पाण्डेय और एसपी विनय कुमार सिंह ने स्वयं सदस्य बनकर दिया सेवा और मानवता का संदेश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के सेवा, संवेदना और मानवीय सरोकारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद में चल रहे सदस्यता अभियान को उस समय नई मजबूती मिली, जब अधिकारियों ने स्वयं आगे बढ़कर इसकी सदस्यता ग्रहण की। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने स्वयं रेडक्रॉस सोसाइटी की सदस्यता लेकर अभियान की शुरुआत की। अधिकारियों से प्रेरित होकर लगभग तीन दर्जन से अधिक सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सदस्यता ग्रहण की। प्रत्येक सदस्य द्वारा 1,160 रुपये का सदस्यता शुल्क जमा किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि रेडक्रॉस सोसाइटी केवल एक संस्था नहीं, बल्कि मानव सेवा, संवेदना और संकट की घड़ी में जरूरतमंदों का सहारा बनने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम वर्ग के साथ अधिकारी एवं कर्मचारी सेवा भावना से रेडक्रॉस से जुड़ें तो आपदा, दुर्घटना अथवा किसी भी विपरीत परिस्थिति में जरूरतमंदों के राहत और सहायता अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सकती है। पुलिस अधीक्षक ने रेडक्रॉस के मानवीय कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सेवा का संदेश तभी अधिक प्रभावी होता है, जब उसकी शुरुआत स्वयं से की जाए। अधिकारियों एवं कर्मचारियों का यह सामूहिक जुड़ाव रेडक्रॉस की गतिविधियों को जनपद में और व्यापक बनाने के साथ ही समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को भी मजबूत करेगा। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वेच्छा से सदस्यता ग्रहण किए जाने से रेडक्रॉस के सदस्यता अभियान को नई ऊर्जा मिली। प्रशासनिक अधिकारियों के इस पहल से समाज के अन्य सक्षम लोगों को भी रेडक्रॉस से जुड़कर मानव सेवा के कार्यों में सहभागी बनने का प्रेरक संदेश मिला है।

जिले में ताबड़तोड़ ढंग से हो रही हैं मार्ग दुर्घटनाओं से विचलित है जनमानस

- सड़क सुरक्षा पर डीएम सख्त, यातायात में बाधक होर्डिंग हटाने और रेन कट तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश
- बिना हेलमेट-सीट बेल्ट, नशे में ड्राइविंग व रॉन्ग साइड चलने वालों पर होगी प्रभावी कार्रवाई; स्कूलों में चलेगा व्यापक जागरूकता अभियान



संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करें तथा जहां भी अतिक्रमण के कारण यातायात प्रभावित हो रहा हो, वहां प्रभावी कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग, कस्बों अथवा ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर कहीं भी रेन कट दिखाई दें तो उन्हें तत्काल दुरुस्त कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सड़क की खराब स्थिति के कारण आमजन को परेशानी अथवा दुर्घटना का सामना न करना पड़े, इसके लिए संबंधित विभाग लगातार निगरानी रखें। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों के माध्यम से यातायात नियमों के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। विद्यालयों में

जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ रैलियां आयोजित कर छात्र-छात्राओं एवं आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि यातायात नियमों का पालन जन-अभियान का रूप ले सके। जिलाधिकारी ने कहा कि बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, शराब के नशे में वाहन चलाने तथा रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक वाहन चालक और नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन कर ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, अधिशासी अभियंता अमित सक्सेना, सुनील, महेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

स्वाइन फ्लू को लेकर जिला अस्पताल में तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा सभी सीएचसी-पीएचसी पर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश, बुखार-खांसी के लक्षणों पर तत्काल जांच और चिकित्सकीय परामर्श की अपील

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जिला अस्पताल का निरीक्षण कर स्वाइन फ्लू की रोकथाम एवं उपचार को लेकर स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त रखी जाएं, ताकि किसी भी संभावित स्थिति में मरीजों को समय से उपचार उपलब्ध कराया जा सके। स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए जनपद में एडवाइजरी भी जारी की गई है। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति में बुखार, खांसी अथवा अन्य संबंधित लक्षण दिखाई दें तो घरबाने के बजाय नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं और चिकित्सक की देखरेख में ही उपचार लें। उन्होंने संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतने तथा बाहर निकलते समय मास्क से मुंह और नाक ढककर रखने की अपील की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली और चिकित्सकों से उनके उपचार एवं पोषण संबंधी प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन बच्चों की माताएं भी कुपोषण से प्रभावित हैं, उन्हें आज ही पोषण पोटेली उपलब्ध कराई जाए, ताकि बच्चों के साथ उनकी माताओं के पोषण स्तर में भी सुधार सुनिश्चित किया जा सके। इसके बाद जिलाधिकारी ने आयुष्मान वार्ड एवं इमरजेंसी वार्ड समेत अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों एवं तीमारदारों से सीधे संवाद कर अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच एन प्रसाद, सीएमएस जेजे राम आदि सहित सम्बंधित चिकित्सक मौजूद रहे।



45 दिवसीय प्रशिक्षण न कराने और अनफिट बताकर ड्यूटी से वंचित करने का आरोप

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। ड्यूटी दिलाए जाने की मांग को लेकर दर्जन भर पीआरडी जवानों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जवानों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए शीघ्र ड्यूटी लगाए जाने की मांग की। पीआरडी जवानों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि विभाग की ओर से पीआरडी जवानों को 45 दिवसीय प्रशिक्षण कराकर ड्यूटी दी जा रही है। वहाँ, उन लोगों को 45 दिवसीय प्रशिक्षण नहीं कराया गया और न ही ड्यूटी दी जा रही है। जवानों का आरोप है कि उन्हें अनफिट बताकर ड्यूटी से वंचित कर दिया गया है। जवानों ने कहा कि वे पिछले 5 से 7 वर्षों से पीआरडी विभाग में सेवा दे रहे हैं और लगातार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते आए हैं। इसके बावजूद उन्हें ड्यूटी से वंचित किया जाना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने जिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर उन्हें ड्यूटी दिलाए जाने तथा समस्या का शीघ्र समाधान कराने की मांग की।

अम्बेडकर अपमान मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर चौथे दिन भी अनशन जारी अम्बेडकर चौराहा स्थित प्रतिमा के नीचे अनशन पर बैठे दलित समाज के लोग, आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग

(यंग भारत न्यूज)



उरई (जालौन)। अम्बेडकर प्रतिमा के अपमान के आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी किए जाने की मांग को लेकर दलित समाज के लोगों का अनशन मंगलवार को चौथे दिन भी जारी रहा। शहर के अम्बेडकर चौराहा स्थित अम्बेडकर प्रतिमा के नीचे अजय सिंह एडवोकेट पुत्र वीरेंद्र कुमार निवासी चुर्खी बाईपास पटेल नगर के नेतृत्व में दर्जनों लोग अनशन पर बैठे रहे। अनशन पर बैठे अजय सिंह एडवोकेट ने आरोप लगाया कि घटना के संबंध में 3 अगस्त से लगातार शिकायत किए जाने के बावजूद अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा है तथा गवाहों को फोन कर धमकियां दी जा रही हैं। उनका कहना है कि पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर आरोपी राममोहन गोपालपुरा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी, लेकिन अभी तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। अजय सिंह ने आरोप लगाया कि 4 सितंबर को बृजभान गुर्जर के माध्यम से मोबाइल फोन पर उन्हें धमकी दिलाई गई। साथ ही आरोप लगाया कि राममोहन द्वारा घटना के मुख्य गवाह मानसिंह के घर जाकर उनके परिवार को भी धमकाया गया। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों एवं धमकी देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि मामले को लेकर आईजीआरएस के माध्यम से भी प्रार्थना पत्र दिया गया था। आरोप है कि जांच आख्या में यह उल्लेख किया गया कि जांच अधिकारी द्वारा प्रार्थी को कई बार फोन किया गया, जबकि उनके अनुसार उन्हें किसी प्रकार का फोन नहीं किया गया। अजय सिंह ने जांच आख्या को गलत बताते हुए आईजीआरएस शिकायत के कथित गलत निस्तारण पर भी सवाल उठाए और इसकी दोबारा निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। अनशनकारियों ने मांग की कि अम्बेडकर अपमान प्रकरण में नामजद आरोपियों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए, गवाहों एवं शिकायतकर्ताओं को धमकी देने वालों पर भी कानूनी कार्रवाई हो तथा आईजीआरएस शिकायत का गलत निस्तारण करने के आरोपों की जांच कर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। आज चौथे दिन अनशन पर प्रमुख रूप से अजय गौतम योगा प्रवल दावेदार विधानसभा माधोगढ़, सुशील चौधरी ई-उपाध्याय सिंह यादव, अटलीन्द्र पटेल, संजय कुमार रमी, निखिलेश भारती, राजेन्द्र यादव, हनी राय, अंकित, पिंदू पाल, रवी, आशीष चौधरी, रविराज क्षेत्र पंचायत सदस्य, दीपक कुशवाह, मीना, मनोज कुमार, विजय सिंह, देवेन्द्र, कासिम, कारण सहित आदि लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी की घोषणा के बाद आंगनवाड़ियों की बल्ले बल्ले

-आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय 8 हजार से बढ़कर 12 हजार, सहायिकाओं को अब मिलेंगे 6 हजार

- मुख्यमंत्री ने अयोध्या से किया मानदेय वृद्धि का ऐलान

- जालौन में हुआ सजीव प्रसारण, उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सम्मानित

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के लिए मंगलवार का दिन नई सौगात लेकर आया। मा0 मुख्यमंत्री जी ने अयोध्या की धरती से आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकत्री सम्मान समारोह में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मानदेय में 4 हजार की



बढ़ोतरी करते हुए 8 हजार से 12 हजार तथा सहायिकाओं के मानदेय में 2 हजार की वृद्धि करते हुए 4 हजार से 6 हजार किए जाने की घोषणा की। इसके साथ ही विभागीय ड्रेस के लिए साड़ी क्रय करने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से धनराशि भी भेजी गई, साथ ही 5 लाख तक की कैशलेस सुविधा से

आच्छादित किया।

मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक घनश्याम अनुरागी, विधायक कालपी विनोद चतुर्वेदी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राकेश यादव, बाल विकास परियोजना

अधिकारी उरई शहर एवं डकोर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, विभागीय कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाओं ने रानी लक्ष्मीबाई सभागार, विकास भवन उरई सहित जनपद की सभी तहसीलों में किया गया देखा व उद्बोधन सुना। जनपद स्तरीय आंगनबाड़ी सम्मान समारोह में विभागीय

कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली परियोजना डकोर की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ममता, कमलेश, अर्चना एवं माया तथा परियोजना उरई शहर की श्वेता शर्मा, गायत्री राठौर, ब्रह्मा देवी, राबिया एवं अनामिका सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कुपोषण के खिलाफ जालौन की मुहिम को भी मजबूती मिली। जनप्रतिनिधियों ने सैम श्रेणी से सुपोषित हुए चार बच्चों को पोषण पोर्टली प्रदान की, जबकि सात गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कराई गई।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा रैसिपी आधारित पोषाहार से तैयार किए गए विभिन्न पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका अवलोकन कर सराहना की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने मानदेय में वृद्धि के लिए मा0 मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं से बड़े हुए उत्साह और पूर्ण मनोभाव के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन करते हुए बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की अपेक्षा की।

सर्व जन हिताय पार्टी कार्यकर्ताओं ने किसानों की समस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन



(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। मंगलवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सर्व जन हिताय पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी कालपी विनय कुमार मौर्य को 9 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग की गई। तहसील कालपी परिसर में एकत्रित कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे सर्व जन हिताय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव प्रसाद ने उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य को ज्ञापन सौंपते हुए अवगत कराया है कि फार्मर रजिस्ट्री की अनिवार्यता के कारण धात्री माताओं को हो रही इसकी

अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की गई। ज्ञापन में खाद, बीज व कोटनाशकों की कथित नकली बिक्री पर तत्काल रोक लगाने तथा इस वर्ष भारी नुकसान झेल रहे आलू किसानों को राहत देने के लिए प्रति पैकेट 500 रुपये अनुदान दिए जाने की मांग की गई। सरकारी एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की मांग भी उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया कि इन विद्यालयों में गरीब, मजदूर और किसान परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं, ऐसे में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना बेहद जरूरी है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह यादव सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता तथा क्षेत्रीय नागरिकों ने सहभागिता की।

चुनाव के ठीक पहले मुस्लिम वादी पार्टी एआईएमआईएम जिले में पहुंचा रही है सपा को नुकसान

(यंग भारत न्यूज)

कालपी, जालौन। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के जिला एवं नगर संगठन की ओर से कालपी में सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी छोड़कर आए डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों ने एआईएमआईएम की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वाले लोगों ने पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर संगठन को मजबूत करने और पार्टी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत अली, बुंदेलखंड जोन अध्यक्ष हाजी सादिक अली एवं जालौन जिलाध्यक्ष रईस मलिक के निर्देशानुसार जिला प्रमुख महासचिव ऐनुलहसन मंसूरी तथा नगर अध्यक्ष शादाब कुरैशी ने नए सदस्यों को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

इस दौरान कालपी नगर के नेता इरफान शेख, नगर पालिका सभासद बरकत अंसारी, संगठन मंत्री इरफान अंसारी तथा नगर मीडिया प्रभारी मुबीन अहमद सहित पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में युवाओं की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। सदस्यता ग्रहण करने वालों में एहसान खान, सोहेल अली, साहिल अली, हाफिज तहसीम, शाहबाज, साजिद, अरबाज, अफजल, शिबू उर्फ दिलशाद, गुलफाम, परवेज, हाफिज शादाब सहित अन्य लोग शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा एआईएमआईएम की विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। नगर मीडिया प्रभारी मुबीन अहमद ने कहा कि कालपी में पार्टी का कारवां लगातार बढ़ रहा है और आने वाले समय में बड़ी संख्या में लोग संगठन से जुड़ेंगे।

यमुना का जलस्तर चेतावनी निशान से 3 मीटर नीचे पहुंच कर थमा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। मंगलवार तक यमुना नदी के जलस्तर में बढ़ कर 103.90 मीटर पर पहुंच कर दोपहर को स्थिर हो गया जल स्तर के दम जाने से तटवर्ती इलाकों के नागरिकों ने राहत की सांस ली है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रविवार को नदी का जलस्तर करीब 10 सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ने का सिलसिला शुरू हुआ था। रविवार को 98.7 मीटर जलस्तर था। सोमवार को 102.67 मीटर से अधिक पहुंच गया है कालपी में यमुना का चेतावनी स्तर 107 मीटर और खतरे का लाल निशान 108 मीटर पर है। केंद्रीय जल आयोग कालपी केन्द्र प्रभारी रुपेश कुमार ने बताया कि मंगलवार की दोपहर को यमुना नदी का जलस्तर 103.90 मीटर पर दर्ज किया गया है। लेकिन अब जल स्तर थम गया है। एसडीएम विनय कुमार मौर्य के मुताबिक तटवर्ती क्षेत्रों में राहत एवं बचाव की तैयारियां बनाये हुये हैं।



सरकारी स्कूलों की दुर्दशा के लिए बीएसए ऑफिस की घूसखोरी है जिम्मेदार

- मानकों की अनदेखी कर संचालित हो रहे शिक्षण संस्थान, बच्चों की सुरक्षा पर उठे सवाल
- दो-दो कमरों में चल रहे विद्यालयों में मानक और सुविधाओं का अभाव होने का आरोप
- टैक्सी, टैपो और बसों से बच्चों को ढोने का मामला भी बना चिंता का विषय
- ग्रामीण क्षेत्रों में बिना मानक संचालित विद्यालयों के निरीक्षण पर उठे सवाल
- वीएसए से पक्ष जानने का प्रयास, कई बार फोन करने के बावजूद नहीं हो सका संपर्क
- मानकों की अनदेखी कर संचालित हो रहे शिक्षण संस्थान

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद जालौन में शिक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में ऐसे शिक्षण संस्थान संचालित होने के आरोप सामने आ रहे हैं, जिनके पास विद्यालय संचालन के लिए आवश्यक मानक और पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। आरोप है कि कई विद्यालय महज दो-दो कमरों में संचालित किए जा रहे हैं, जबकि वहां पढ़ने वाले बच्चों की संख्या और उपलब्ध सुविधाओं में बड़ा अंतर है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर विभागीय अधिकारियों की नजर इन विद्यालयों पर क्यों नहीं पड़ रही है।

स्थानीय लोगों और अभिभावकों का आरोप है कि कुछ शिक्षण संस्थानों में भवन, कक्षों की संख्या, खेल मैदान, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, अग्नि सुरक्षा तथा बच्चों के आवागमन समेत कई आवश्यक मानक पूरे नहीं हैं। इसके बावजूद विद्यालयों का संचालन जारी है। खासकर

ग्रामीण अंचलों में मानकों को ताक पर रखकर विद्यालय चलाए जाने की शिकायतें लगातार सामने आने की बात कही जा रही है। सबसे गंभीर सवाल बच्चों की सुरक्षा को लेकर उठ रहे हैं। आरोप है कि कई विद्यालयों में बच्चों को टैक्सी, टैपो और बसों के माध्यम से विद्यालय तक लाया-ले जाया जाता है। यदि इन वाहनों के फिटनेस, परमिट, बीमा, चालक के लाइसेंस और बच्चों की क्षमता के अनुरूप सुरक्षा मानकों की जांच नहीं की जा रही है तो यह किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकता है। बरसात के मौसम में सड़क हादसों का खतरा और बढ़ जाता है। ऐसे में शिक्षा विभाग के साथ-साथ परिवहन विभाग की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण हो जाती है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की शिक्षा के नाम पर संस्थान संचालित करना आसान हो गया है, लेकिन विद्यालयों में बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी तय नहीं हो रही है। सवाल यह भी है कि जिन विद्यालयों के पास निर्धारित मानक पूरे नहीं हैं, उनके विरुद्ध विभागीय स्तर पर अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

निरीक्षण व्यवस्था पर भी सवाल

शिक्षा विभाग में विद्यालयों की निगरानी के लिए खंड शिक्षा अधिकारी और सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारियों की व्यवस्था है। इनके माध्यम से क्षेत्र में संचालित विद्यालयों का निरीक्षण किया जाना चाहिए। इसके बावजूद यदि बिना मानक विद्यालय लंबे समय से संचालित हो रहे हैं तो निरीक्षण व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे विद्यालय हैं, जहां संसाधनों और भवन की स्थिति को देखकर आसानी से पता लगाया जा सकता है कि वहां निर्धारित मानक पूरे हैं या नहीं। इसके बाद भी संबंधित अधिकारियों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सुविधा शुल्क के आरोपों की भी हो जांच

मामले को लेकर कुछ सूत्रों की ओर से गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। आरोप है कि जिन विद्यालयों में मानक पूरे नहीं हैं, वहां भी कथित रूप से सुविधा शुल्क के माध्यम से संचालन की अनुमति दिए जाने

की चर्चा है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। यदि इस तरह की शिकायतें विभाग के संज्ञान में आती हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। आरोप यह भी है कि कुछ विद्यालयों में सीमित भवन और कमरों में ही बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। ऐसे में शिक्षा विभाग को जिलेभर में संचालित निजी शिक्षण संस्थानों का व्यापक निरीक्षण कराना चाहिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की मान्यता, भवन की स्थिति, कक्षों की संख्या, शिक्षक-छात्र अनुपात, पेयजल, शौचालय, अग्नि सुरक्षा और बच्चों के परिवहन की व्यवस्था की जांच की जानी चाहिए। मान्यता और मानकों का सत्यापन जरूरी अभिभावकों का कहना है कि किसी भी विद्यालय में अपने बच्चों का प्रवेश कराने से पहले उन्हें यह जानकारी होनी चाहिए कि संबंधित विद्यालय को विभाग से मान्यता प्राप्त है या नहीं। विद्यालय के पास आवश्यक प्रमाणपत्र और निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं, इसकी जानकारी भी सार्वजनिक होनी चाहिए। यदि कोई विद्यालय बिना मान्यता अथवा निर्धारित मानकों के विपरीत संचालित पाया जाता है तो विभाग को नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। केवल नोटिस जारी करने के बजाय ऐसे मामलों में कार्रवाई की प्रगति भी सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि अभिभावकों को स्पष्ट जानकारी मिल सके।

वीएसए से नहीं हो सका संपर्क

इस संबंध में जब जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उनके मोबाइल फोन पर कई बार घंटी की गई, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। ऐसे में विभाग का आधिकारिक पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। अधिकारियों का पक्ष मिलने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अब देखना यह है कि जनपद में मानकों को दरकिनार कर संचालित बताए जा रहे शिक्षण संस्थानों के संबंध में बेसिक शिक्षा विभाग कब व्यापक जांच अभियान चलाता है और यदि अनियमितताएं मिलती हैं तो संबंधित विद्यालयों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाती है। फिलहाल मामला बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ उनकी सुरक्षा से भी जुड़ा होने के कारण अभिभावकों की चिंता बढ़ा रहा है।

श्याम सिंह चौहान बने करणी सेना भारत के प्रदेश उपाध्यक्ष बुंदेलखंड क्षेत्र की जिम्मेदारी मिलने पर समर्थकों ने दी बधाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई। करणी सेना भारत के राष्ट्रीय नेतृत्व ने जनपद जालौन के बोहदपुरा निवासी श्याम सिंह चौहान को उत्तर प्रदेश मुख्य प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्हें बुंदेलखंड क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन की ओर से जारी नियुक्ति के अनुसार उनका कार्यकाल छह सितंबर 2026 से पांच सितंबर 2027 तक एक वर्ष का रहेगा। नियुक्ति की जानकारी मिलते ही समर्थकों और संगठन के पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि श्याम सिंह चौहान के ऊर्जावान नेतृत्व, निष्ठा और समर्पण से बुंदेलखंड क्षेत्र में संगठन को मजबूती मिलेगी। उनसे संगठन की गरिमा और अनुशासन को बनाए रखते हुए सौंपे गए दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने की अपेक्षा जताई गई। नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम सिंह चौहान ने संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करने का भरोसा दिलाया।



खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार चला रहा है अभियान

(यंग भारत न्यूज)

उरई। आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण फल-सब्जियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नवीन मंडी स्थल कालपी रोड उरई में औचक निरीक्षण किया। सब्जियों एवं फलों को अधिक आकर्षक बनाने के लिए कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल का आंशंका को लेकर विभागीय टीम ने कई प्रतिष्ठानों की गहनता से जांच की। निरीक्षण के दौरान किसी भी सब्जी को कृत्रिम रंग से रंगे जाने का मामला सामने नहीं आया। डॉक्टर सीआर प्रजापति ने बताया कि विभागीय टीम ने मंडी में भिंडी, हरी मिर्च, परवल, शिमला मिर्च, सेब आदि का कारोबार करने वाले आठ आदृतियों के प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण किया। टीम ने फल एवं सब्जियों की गुणवत्ता के साथ ही उनके रखरखाव और भंडारण की स्थिति का भी जायजा लिया। जांच के दौरान सब्जियों में कृत्रिम रंगों के प्रयोग का कोई प्रकरण नहीं पाया गया। इसके अलावा सेब में कृत्रिम वैक्स के इस्तेमाल की भी पुष्टि नहीं हुई। उन्होंने बताया कि खाद्य कारोबारकर्ताओं को फलों एवं सब्जियों का व्यवस्थित तरीके से भंडारण करने तथा उपभोक्ताओं को ताजी एवं सुरक्षित सब्जियां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। कारोबारियों को स्पष्ट हिदायत दी गई कि फल एवं सब्जियों को अधिक चमकदार अथवा आकर्षक बनाने के उद्देश्य से किसी भी प्रकार के कृत्रिम रंग का इस्तेमाल न किया जाए। डॉ. प्रजापति ने कहा कि कृत्रिम रंग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसके विपरीत फलों एवं सब्जियों में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले रंग मानव उपभोग के लिए लाभकारी होते हैं। ऐसे में खाद्य कारोबारियों को उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी बरतनी चाहिए और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करना चाहिए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि नवीन मंडी स्थित फल एवं सब्जी कारोबारियों की गतिविधियों पर निगरानी आगे भी जारी रहेगी। मंडी का समय-समय पर औचक निरीक्षण किया जाएगा, ताकि फल एवं सब्जियों में मिलावट अथवा प्रतिबंधित पदार्थों के प्रयोग की किसी भी संभावना को रोका जा सके। निरीक्षण के दौरान आदृतियों से उनके प्रतिष्ठानों की क्षमता एवं कारोबार के अनुरूप खाद्य पंजीकरण अथवा खाद्य अनुज्ञप्ति बनवाने का भी आग्रह किया गया। अधिकारियों ने कारोबारियों से खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने और उपभोक्ताओं की गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की अपील की। कार्रवाई के दौरान मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार कटियार एवं सुनील कुमार मौजूद रहे।

- फल-सब्जियों में कृत्रिम रंग की तलाश, मंडी में खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा
- आठ आदृतियों के प्रतिष्ठानों का किया गया गहन निरीक्षण, जांच में नहीं मिला कृत्रिम रंग का मामला
- कृत्रिम वैक्स की भी हुई जांच, आदृतियों को सुरक्षित भंडारण और खाद्य लाइसेंस बनवाने के निर्देश



क्वार्टर फाइनल में सबालेंका और अल्काराज

यूएस ओपन में गत चैंपियंस का जलवा

न्यूयॉर्क

गत चैंपियन एरिन सबालेंका और कार्लोस अल्काराज अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। शीर्ष रैंक वाले स्बालेंका ने टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-3 से हराया। वहीं अल्काराज ने टोमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से मात दी। अब सबालेंका का खम्भना विम्बलडन विजेता लिंडा नेल्कोविक से होगा, जिन्होंने मार्ग कोरियन्यु को 7-5, 6-7, 6-4 से हराया। वहीं दक्षिणी कलार्ड में चोट के कारण चार महीने में पहला टूर्नामेंट खेल रहे अल्काराज का सामना अब अमेरिका के वेन शेल्टन से होगा, जिन्होंने स्टेफानीस सिरटिसिबस को शिकस्त दी।

शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी वेन शेल्टन शनिवार पॉर्म में हैं और उनका टूटल ओपन अक्टूबर तक की समय पर खतरा पड़ सकता है। अक्टूबी वरीयत प्राप्त शेल्टन ने चौथे दौर के मुक़ाबले में वॉल के स्ट्रेपब्लेस सिमिस्टाव को सीटों में 6-2, 6-3, 6-4 से टनाकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और विस्डिवाय को चारों तरफ से का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने शुरूआत में ही मैच पर फ़क़्त सहाय स्त्रों और तीसरे सेट आखिरी से ज़ोरों क्वार्टर फाइनल मुक़ाबले में शेल्टन का सामना मौजूद वैडिक कालीस अल्काराज से होगा।



नवरो ने सहिल किया क्वार्टर फाइनल का टिकट

अमेरिका की प्रमुख नवरो ने शनिवार पदार्पण करते हुए यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने न्यूयॉर्क के आर्सेन स्टैडियम में खेलते हुए चौथे दौर के मुक़ाबले में वॉल कालीस अल्काराज को सीटों में 6-4, 6-2 से हराया। नवरो ने मैच की शुरुआत में ही अपना खम्भना बल्लू रख और कालीस अल्काराज को चारों तरफ से का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने सेट में 6-4 से जीतने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में और अलगाव खेल दिखाया और 6-2 से सुगमता अपने खेल कर दिया। नवरो ने पहला सेट जीतने के बाद पूरे अलगाव खेल के ऊपर खेल दिखाया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-4 की बढ़त बनाई। एक कालीस अल्काराज ने एक बार सीटें बैक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वह मैच का रुख नहीं बदल सका। इसके बाद नवरो ने आठवें सेट में फिर से कालीस अल्काराज को सीटों में 6-4, 6-2 से जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

दलीप ट्रॉफी

ईशान ने 270 रन के स्कोर के साथ आठवां सर्वोच्च निजी स्कोर बनाया

चेन्नई

साउथ जोन के खिलाफ एमए चिन्मयम स्टेडियम में जारी दलीप ट्रॉफी के फाइनल मैच में कप्तान ईशान किरान ने 270 रनों की पारी खेली, जिसके दम पर ईस्ट जोन का पलड़ा कश्मे भारी नज़र आ रहा है।

ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किरान शिष्ट शतक बनाने से चूक गए। लेकिन साउथ जोन के खिलाफ उन्होंने कमाल की पारी खेली और सर्वोच्च निजी स्कोर के मामले में ख़ास उपलब्धि हासिल की। ईशान किरान 270 रन के स्कोर पर छक्का लगाने की कोशिश में आउट हुए। त्रिपुर्ण विजय की गेंद पर बाउंड्री के पास आर स्मरण के हाथों लपके गए। ईशान किरान ने 334 गेंद का सामना किया और 30 चौके व सात छक्के लगाए। उनके तिरहे शतक से ईस्ट जोन की पहली पारी 708 रन के स्कोर पर समाप्त हुई। इस पारी में ईस्ट जोन ने कुल 163 ओवरों का सामना किया।

250 रन बनाने के बाद रिटायर्ड हट हुए ईशान

ईशान 250 रन बनाने के बाद रिटायर्ड हो गए। वे सातवें विकेट गिरने के बाद फिर से बैटिंग को आए। इसके बाद उन्होंने 20 रन जोड़े। ईशान के पास तब मौका था कि वे तिरहा शतक लगाएं और शायद इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च निजी स्कोर का रिकॉर्ड भी बनाते। ईशान के लिए इसके लिए कोशिश भी की लेकिन सफल नहीं मिली। वे पहले दिन के खेल में जब बैटिंग के लिए आए थे तब ईस्ट जोन का स्कोर तीन विकेट पर 147 रन था। उन्होंने फिर एक छोर धाम लिया और बाकी बल्लेबाजों के साथ मिलकर टीम को पहाड़ से स्कोर तक पहुंचा दिया। उन्हें शिखर मोहन (85), कुमार कुशाग्र (101), अनुमूल राय (45) और मोहम्मद इम्रान कुरैशी (40) का अच्छा साथ मिला।

700 रनों के पार ईस्ट जोन ईशान ने ठोका दोहरा शतक



दिनेश कार्तिक का रिकॉर्ड ध्वस्त

ईशान किरान ख़ौर विकेटकीपर बल्लेबाज यह दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। उन्होंने दिनेश कार्तिक के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। कार्तिक ने साल 2010 में दलीप ट्रॉफी के फाइनल में साउथ जोन की ओर से खेलते हुए 183 रनों की दमदार पारी खेली थी। ईशान दलीप ट्रॉफी के फाइनल में दोहरा शतक लगाने वाले पहले विकेटकीपर कप्तान भी हैं। ईशान वनडे इंटरनेशनल और दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं।

किशन ने जायसवाल जडेजा को पीछे छोड़ा

किशन ने 270 रन के स्कोर के साथ दलीप ट्रॉफी में आठवां सर्वोच्च निजी स्कोर बनाया। उन्होंने यशस्वी जायसवाल (265) और अजय जडेजा (264) को पीछे छोड़ा। ईशान से ठीक आगे वेंकिट सहवाग (274), लालचंद गजपत (275) और संजय मांजरेकर (278) ही रहे। ईशान ने शिक्क के लिए, जो शॉट खेलें था अथवा बाउंड्री पार कर जाता तो वह दलीप ट्रॉफी में सर्वोच्च निजी स्कोर के मामले में इसे स्थान पर पहुंच जाते। राजपूत और सहवाग उनसे पीछे हो जाते।

ईशान और कुमार की 230 रनों की साझेदारी

ईशान किरान ने कुमार कुशाग्र के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 230 रनों की साझेदारी निभाई। कुशाग्र भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने शतकीय पारी खेली। कुशाग्र ने 132 गेंदों का सामना करते हुए 101 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके और 5 छक्के लगाए।

साउथ जोन के त्रिपुर्ण विजय झटके 4 विकेट

साउथ जोन के लिए त्रिपुर्ण विजय ने कुल 42 अंकों गेंदाबाजी की, जिसमें 180 रन देकर 4 विकेट निकाले। इनके अलावा, चना मिलिंद और श्रेवस चोपरा ने 2-2 विकेट हासिल किए। शंख रसंद को 1 सफलता हाथ लगी।

सर्वोच्च फस्ट क्लास स्कोर से चूके ईशान

ईशान फस्ट क्लास में अपना सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ने से भी महज तीन रन पीछे रह गए। उन्होंने इस फॉर्मेट में 273 रन का स्कोर बना रखा है, जो 2016 में रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के खिलाफ बनाया था। तब उन्होंने 336 गेंद में 21 चौकों व 14 छक्कों से सजी पारी खेली थी।



जूनियर डेविस कप खेलेंगे रिभाव, हतिक और तविशा

नई दिल्ली

भारत के शीर्ष अंडर-16 खिलाड़ी रिभाव, हतिक और तविशा ने जूनियर डेविस कप में भागीदारी करने के लिए भारत की ओर से चुने गए हैं। रिभाव, हतिक और तविशा को टीम की घोषणा की, जिसमें



रिभाव के अलावा हतिक कटकम और तविशा पाठवा को भी शामिल किया गया है। भारतीय टीम इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया,

कजाखस्तान, मोरक्को, सर्बिया, अमेरिका और वेनेजुएला जैसी दुनिया की शीर्ष टीमों से मुकाबला करेगी। केएचएलटीए से जुड़े शराब बान्नी टीम के कोच होंगे। उनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम 'फाइनल' में अपनी जगह पक्की करने में सफल रही।

टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं : पडिक्कल



चेन्नई

भारतीय टेस्ट टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है और मौके भी सीमित मिलते हैं इसलिए कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल श्रीलंका के खिलाफ ट्वेंटी पर लगातार दो शतक लगाने के बावजूद किसी चीज की हल्के में नहीं ले रहे हैं। नंबर तीन पर नियमित बल्लेबाज ब्रह्म सुब्बान्न के पैर में चोट के कारण पडिक्कल को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट

खेलने का मौका मिला और उन्होंने तीन पारियों में 328 रन बनाकर इसका पूरा फायदा उठाया। पडिक्कल ने कहा, 'इन दिनों आपको सीमित मौके मिलते हैं और टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है। किसी भी चीज को हल्के में नहीं लिया जा सकता। व्यक्तिगत तौर पर मैं सिर्फ रन बनाने रहना और भारतीय टेस्ट टीम की जीत में योगदान देना चाहता हूँ। जब तक मैं ऐसा करता रहूँगा मुझे कसमें है कि टीम में मेरी जगह थकी होगी।'

19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में एशियाई खेल

छत्तीसगढ़ की ज्ञानेश्वरी का जापानी सरजमीं पर नया लक्ष्य

नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों की राजत पदक विजेता भारतीया ज्ञानेश्वरी यादव ग्लोबली के अनुभव को इस महीने खेलने वाले एशियाई खेलों में धुनाने के लिए तैयार हैं। छत्तीसगढ़ की 23 वर्षीय ज्ञानेश्वरी की नज़र 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेतार करने पर है।

जुलाई में राष्ट्रमंडल खेलों में ज्ञानेश्वरी ने 53 किग्रा भार वर्ग में स्नेच और क्लीन एवं जर्क दोनों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 199 किग्रा भार (88 किग्रा स्नेच और 111 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ राजत पदक जीता था।



बेहतर करने की कोशिश करूंगी : ज्ञानेश्वरी

ज्ञानेश्वरी ने कहा, 'तेजवी अजोय चल रही है। मैं बहुत अच्छा व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवा चुकी हूँ। राष्ट्रमंडल खेलों में मैंने 199 किग्रा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था और अब इसे बेहतर करने की कोशिश करूंगी।' ज्ञानेश्वरी ने कहा, 'मैंने राष्ट्रमंडल खेलों के बाद उनका खतरा नहीं किया। मैं सिर्फ एक महीने का अवकाश देना चाहती हूँ। मैंने स्नेच करने की कोशिश करनी है। अंतर में थोड़ा और क्लीन एवं जर्क खेलों में एक-एक विलेखन का जुआर कर चुकी हूँ। मैं अब भी लिफ्ट बड़ी उठाऊंगी हूँगी। किसी भी खिलाड़ी के लिए अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना बहुत बड़ी बात होती है।'

पदक जीतने की होड़

एशियाई खेलों में हारक ज्ञानेश्वरी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। चीन, जर्मनी, कोरिया और उत्तर कोरिया जैसे अनेक देशों के धार्मिक अजकब खेलों के खिलाफ से पकड़ खेलों की होड़ में होंगी। एशियाई खेलों के बाद 51 किग्रा भार वर्ग में ज्ञानेश्वरी के लिए एशियाई खेल पर भी प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी। नौजवा समय में 48-49 किग्रा वर्ग में सिक्का लगी अमेरिकी स्लाफ एडम विजित और ब्रिड्ज डेन 53 किग्रा वर्ग में उनसे की रेवारी में हैं क्योंकि 2028 तक एशियाई ओलंपिक में महिलाओं के लिए 53 किग्रा सबसे कम भार वर्ग होगा।

खबर संक्षेप



फैंस तीरंदाजी : फाइनल में शीतल, क्लोऑफ में सरिता

अहमदाबाद। चौजुदा विश्व चैंपियन शीतल देवी ने विश्व तीरंदाजी पैग सीरीज (वैश्व परव) के तीसरे दिन सोमवार को महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। जम्मु की भूजानी तीरंदाज शीतल ने सरिता को 145-143 से हराकर खिताबी मुक़ाबले में जगह बनाई। अब उनका सामना काजखस्तान की ऐजदा सेदान से होगा। सरिता संस्था फ्रेंच के मुक़ाबले में चीन की वॉंग हुइलिंग से खेलेगी। कंपाउंड पुरुष वर्ग में मैरुदा विश्व चैंपियन और बुनिया के नंबर एक खिलाड़ी गोमन कुमार को शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के केन स्वागुमिलोन ने 146-144 से हराया।

इंग्लैंड ने दिया पीटरसन को बड़ा जित्ठा, बनाया गेंदोरे



लंदन। पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को अपने साल दशिया अक्टूबर में होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए इंग्लैंड को सफेद गेंद की टीमों का विशेषज्ञ मैटो बनाया गया है। पीटरसन इस महीने के अखिर में ऑलरंड के खिलाफ टी20 और वनडे मूलखला में मुख्य कोच बेंडन मैकुलम के साथ जुड़ेंगे। कोचिंग स्टाफ में मार्कस ट्रेन्कोथिक, टिम साउथी, जैसन पटेल और शरा टेलर भी हैं। यह इस साल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद के दौर पर भी टीम के साथ होगा। इनके बाद पाकिस्तान और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ घरेलू मूलखलाओं और विश्व कप में टीम के साथ होंगे।

महिला क्रिकेट

पाकिस्तानी कप्तान फातिमा पर आईसीसी का तगड़ा एक्शन

शेफाली को सेंडऑफ देना पड़ा महंगा



दुर्ग

भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को महिला एशिया कप के दौरान आउट करने के बाद 'अपमानजनक इशारा' करने के लिए पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सानू पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को भारत की पारी के दूसरे ओवर में हुई जब शेफाली को आउट करने के बाद फातिमा ने परवेलियन की ओर इशारा किया।

फातिमा को आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़ी आचार संहिता के लेवल एक के नियम 2.5 के उल्लंघन का दोषी धर्या गया। वह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच

सना ने स्वीकारा अपराध

फातिमा ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और आईसीसी के मैच रैफरी के अंतरराष्ट्रीय फैल की सुविधा एनी वेस प्रस्तावित सज को स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक मुक़ाद की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानों अपराध निम्नलि परो और शक्ति जाकिर जेही, तीसरी अपराध होकीया मुल्लाज और चौथे अपराध रबाब अहसन ने उनके खिलाफ आरोप लगाया था। लेवल-एक के उल्लंघन के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकर है जबकि अधिकतम सजा खिलाड़ी को मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिपॉजिट अंक है।



